चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	17.3.26	3	3-4

मछली-झींगा रोगों की पहचान और उपचार की दी जानकारी

कार्यक्रम को संबोधित करते अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग

भास्कर न्यूज | हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय में जलीय कृषि स्वास्थ्य प्रबंधन विषय पर तीन दिवसीय किसान उन्मुख प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ। प्रशिक्षण जलीय पशु स्वास्थ्य प्रबंधन विभाग द्वारा नेशनल सर्विलांस प्रोग्राम फॉर एक्वेटिक एनिमल डिजीज के अंतर्गत आयोजित किया गया। समापन समारोह में विवि के अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। उन्होंने कहा मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय द्वारा किसानों एवं विद्यार्थियों के ज्ञान और तकनीकी कौशल को सुदृढ़ करने के लिए किए जा रहे प्रयास सराहनीय हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम में हिसार, सिरसा, फतेहाबाद और झज्जर जिलों के मछली एवं झींगा किसान, कृषि एवं पशु चिकित्सा विषयों के विद्यार्थी तथा अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों ने भाग लिया। तीन दिनों तक प्रतिभागियों को जलीय कृषि स्वास्थ्य प्रबंधन की आधुनिक तकनीकों पर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में मछली एवं झींगा रोगों की पहचान एवं उपचार, जल गुणवत्ता परीक्षण तथा व्यावहारिक रोग निदान की विधियों की जानकारी प्रदान की गई। अधिकारी डॉ. रचना गुलाटी ने कार्यक्रम की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। जलीय पशु स्वास्थ्य प्रबंधन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. दिलीप बिश्नोई ने सुझाव दिया कि किसानों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाना चाहिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	17.3.26	4	1-2

छात्रों को दी मछली व झींगा रोगों की पहचान के बारे में जानकारी

जागरण संवाददाता • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय में जलीय कृषि स्वास्थ्य प्रबंधन विषय पर तीन दिवसीय किसान उन्मुख प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ। प्रशिक्षण जलीय पशु स्वास्थ्य प्रबंधन विभाग की ओर से नेशनल सर्विलांस प्रोग्राम फार एक्वेटिक एनिमल डिजीज के अंतर्गत आयोजित किया गया। समापन समारोह में अनुसंधान निदेशक डा. राजबीर गर्ग बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में हिसार, सिरसा, फतेहाबाद और झज्जर जिलों के मछली एवं झींगा किसान, कृषि एवं पशु चिकित्सा विषयों के विद्यार्थी तथा अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों ने भाग लिया। मछली एवं झींगा रोगों की पहचान एवं उपचार की विधियों की जानकारी प्रदान की गई।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	17.3.26	6	6-8

हकृवि में जलीय कृषि स्वास्थ्य प्रबंधन पर किसान उन्मुख प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

कार्यक्रम को संबोधित करते अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग।

हिसार, 16 मार्च (विरेन्द्र वर्मा) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय में जलीय कृषि स्वास्थ्य प्रबंधन विषय पर तीन दिवसीय किसान उन्मुख प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ। प्रशिक्षण जलीय पशु स्वास्थ्य प्रबंधन विभाग द्वारा नेशनल सर्विलांस प्रोग्राम फॉर एक्वेटिक एनिमल डिजीज के अंतर्गत आयोजित किया गया। समापन समारोह में विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय द्वारा किसानों एवं विद्यार्थियों के ज्ञान और तकनीकी कौशल को सुदृढ़ करने के लिए किए जा रहे प्रयास सराहनीय हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के क्षमता निर्माण कार्यक्रम जलीय कृषि उत्पादन बढ़ाने और रोग प्रबंधन को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम में हिसार, सिरसा, फतेहाबाद और झज्जर जिलों के मछली एवं झींगा किसान, कृषि एवं पशु चिकित्सा विषयों के विद्यार्थी तथा अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों ने भाग लिया। तीन दिनों तक प्रतिभागियों को जलीय कृषि स्वास्थ्य प्रबंधन की आधुनिक तकनीकों पर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में मछली एवं झींगा रोगों की पहचान एवं उपचार, जल गुणवत्ता परीक्षण तथा व्यावहारिक रोग निदान की विधियों की जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को प्रशिक्षण के प्रमुख व्यावहारिक सत्रों को दर्शाने वाला एक लघु वीडियो भी दिखाया गया, जिससे उन्हें कार्यक्रम की मुख्य गतिविधियों को समझने का अवसर मिला। प्रतिभागियों को हिंदी एवं अंग्रेजी दोनों भाषाओं में तैयार प्रशिक्षण मैनुअल भी वितरित किए गए ताकि वे भविष्य में भी इनका उपयोग कर सकें। प्रतिभागियों ने कार्यक्रम के प्रति सकारात्मक और प्रभावशाली प्रतिक्रिया व्यक्त की तथा प्रशिक्षण के व्यावहारिक स्वरूप की सराहना की। उन्होंने भविष्य में भी इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने का अनुरोध किया, जिससे किसानों के तकनीकी ज्ञान में और वृद्धि हो सके। इस अवसर पर उपरोक्त महाविद्यालय की प्रभारी अधिकारी डॉ. रचना गुलाटी ने कार्यक्रम की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। जलीय पशु स्वास्थ्य प्रबंधन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. दिलीप बिश्नोई ने सुझाव दिया कि किसानों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन फील्ड स्तर पर भी किया जाना चाहिए। कार्यक्रम का समापन सह-अन्वेषक डॉ. मो. इदरीश रजा खान द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। मंच संचालन छात्र शिवम पाण्डेय द्वारा किया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	17.3.26	2	7-8

एचएयू में किसान उन्मुख प्रशिक्षण कार्यक्रम

साहित्य का विमोचन करते डॉ. राजबीर गर्ग और अन्य। स्रोत : विवि

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय में जलीय कृषि स्वास्थ्य प्रबंधन विषय पर तीन दिवसीय किसान उन्मुख प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम जलीय पशु स्वास्थ्य प्रबंधन विभाग के नेशनल सर्विलांस प्रोग्राम फॉर एक्वेटिक एनिमल डिजीज के तहत आयोजित किया गया जिसमें ज्ञान और तकनीकी कौशल को मजबूत करने पर जोर दिया गया। तीन दिनों तक प्रतिभागियों को मछली एवं झींगा रोगों की पहचान और उपचार, जल गुणवत्ता परीक्षण और व्यावहारिक रोग निदान की तकनीकों पर प्रशिक्षण दिया गया। ब्यूरो

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	17.3.26	5	7-8

हकृवि में जलीय कृषि स्वास्थ्य प्रबंधन पर किसान उन्मुख प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

हिसार, 16 मार्च (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय में जलीय कृषि स्वास्थ्य प्रबंधन विषय पर तीन दिवसीय किसान उन्मुख प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ। प्रशिक्षण जलीय पशु स्वास्थ्य प्रबंधन विभाग द्वारा नेशनल सर्विलांस प्रोग्राम फॉर एक्वेटिक एनिमल डिजीज के अंतर्गत आयोजित किया गया। मंच संचालन छात्र शिवम पाण्डेय द्वारा किया गया। समापन समारोह में विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय द्वारा किसानों एवं विद्यार्थियों के ज्ञान और तकनीकी कौशल को सुदृढ़ करने के लिए किए जा रहे प्रयास सराहनीय हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के क्षमता निर्माण कार्यक्रम जलीय कृषि उत्पादन बढ़ाने और रोग प्रबंधन को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम में हिसार, सिरसा, फतेहाबाद और झज्जर जिलों के मछली एवं झींगा किसान, कृषि एवं पशु चिकित्सा विषयों के विद्यार्थी तथा अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	16.03.2026	--	--

हकृवि में जलीय कृषि स्वास्थ्य प्रबंधन पर किसान उन्मुख प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय में जलीय कृषि स्वास्थ्य प्रबंधन विषय पर तीन दिवसीय किसान उन्मुख प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ। प्रशिक्षण जलीय पशु स्वास्थ्य प्रबंधन विभाग द्वारा नेशनल सर्विलांस प्रोग्राम फॉर एक्वेटिक एनिमल डिजीज के अंतर्गत आयोजित किया गया।

समापन समारोह में विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय द्वारा किसानों एवं विद्यार्थियों के ज्ञान और तकनीकी कौशल को सुदृढ़ करने के लिए किए जा रहे प्रयास सराहनीय हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के क्षमता निर्माण कार्यक्रम जलीय कृषि उत्पादन बढ़ाने और रोग प्रबंधन को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम में हिसार, सिरसा, फतेहाबाद और झज्जर जिलों के मछली एवं झींगा किसान, कृषि एवं पशु चिकित्सा विषयों के विद्यार्थी तथा अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों ने भाग लिया। तीन दिनों तक प्रतिभागियों को जलीय कृषि स्वास्थ्य प्रबंधन की आधुनिक तकनीकों पर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में मछली एवं झींगा रोगों की पहचान एवं उपचार,

जल गुणवत्ता परीक्षण तथा व्यावहारिक रोग निदान की विधियों की जानकारी प्रदान की गई।

कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को प्रशिक्षण के प्रमुख व्यावहारिक सत्रों को दर्शाने वाला एक लघु वीडियो भी दिखाया गया, जिससे उन्हें कार्यक्रम की मुख्य गतिविधियों को समझने का अवसर मिला। प्रतिभागियों को हिंदी एवं अंग्रेजी दोनों भाषाओं में तैयार प्रशिक्षण मैनुअल भी वितरित किए गए ताकि वे भविष्य में भी इनका

> समापन समारोह में विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय द्वारा किसानों एवं विद्यार्थियों के ज्ञान और तकनीकी कौशल को सुदृढ़ करने के लिए किए जा रहे प्रयास सराहनीय हैं।

उपयोग कर सकें। प्रतिभागियों ने कार्यक्रम के प्रति सकारात्मक और प्रभावशाली प्रतिक्रिया व्यक्त की तथा प्रशिक्षण के व्यावहारिक स्वरूप की सराहना की। उन्होंने भविष्य में भी इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने का अनुरोध किया, जिससे किसानों के तकनीकी ज्ञान में और वृद्धि हो सके।

इस अवसर पर उपरोक्त महाविद्यालय की प्रभारी अधिकारी डॉ. रचना गुलाटी ने कार्यक्रम की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। जलीय पशु स्वास्थ्य प्रबंधन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. दिलीप किरनेई ने सुझाव दिया कि किसानों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन फील्ड स्तर पर भी किया जाना चाहिए। कार्यक्रम का समापन सह-अन्वेषक डॉ. मो. इरफान रजा खान द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। मंच संचालन छात्र शिवम पाण्डेय द्वारा किया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठकपक्ष न्यूज	17.03.2026	--	--

हकृवि द्वारा गांव भेरियां में सामुदायिक स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम

-पाठकपक्ष न्यूज-

हिसार, 16 मार्च : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा गांधी सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के मानव विकास एवं पारिवारिक अध्ययन विभाग की गृह विज्ञान छात्राओं ने गांव भेरियां में सामुदायिक स्वास्थ्य शिक्षा विषय पर दो दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम विभागाध्यक्ष डॉ. अतुल धींगरा के मार्गदर्शन और डॉ. वर्षा सैनी के पर्यवेक्षण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं और बच्चों को स्वास्थ्य, पोषण, टीकाकरण तथा बच्चों के समुचित विकास के प्रति जागरूक करना था। डॉ. वर्षा सैनी ने संतुलित आहार, नियमित टीकाकरण और सकारात्मक पारिवारिक वातावरण के महत्व पर बल दिया। उन्होंने बच्चों में मोबाइल के अत्यधिक उपयोग से होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में भी जानकारी दी। कार्यक्रम में छात्राओं ने पोस्टर, गायन और नुक्कड़ नाटक के माध्यम से स्वास्थ्य जागरूकता का संदेश दिया। कार्यक्रम का मंच संचालन प्रियंका पंघाल ने किया, जबकि आशा वर्कर और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई।